बुधवार
11 दिसम्बर 2024
● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 300
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

32 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक नजर

बस खाई में गिरी ड्राइवर सहित तीन की मौत, 25 घायल

हमारे संवाददाता

हिमाचल। सड़क दुर्घटना मे आज सुबह एक प्राइवेट बस के खाई में गिर जाने से जहां ड्राइवर सहित तीन लोगों की मौत हो गयी वहीं 25 यात्री घायल हुए है। सूचना मिलने पर पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार बस के चालक के अलावा दो अन्य की भी मौत हो गई है। बताया कि बस में ड्राइवर-कंडक्टर सहित 42 लोग सवार थे। सभी घायलों को घटनास्थल से सिविल अस्पताल आनी पहुंचा दिया गया है, जहां पर उपचार जारी है। गंभीर रूप से घायल सात व्यक्तियों और 11 लोगों को आईजीएमसी शिमला और रामपुर के लिए रेफर किया गया है। ड्राइवर ने मौके पर ही दम तोड़ा, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में अंतिम सांस ली है। जबकि अन्य घायल आनी में उपचार करा रहे है। ज्यादातर घायलों को हल्की चोट आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बस करसोग से आनी की तरफ जा रही थी और जो सुबह पौने 11 बजे के करीब हादसे का शिकार हो गई। यह हादसा आनी और शवाड़ के बीच करंथल में पेश आया है।

हादसे के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि दुर्घटनाग्रस्त बस सड़क से करीब 120 मीटर नीचे खाई में जा गिरी। वहां से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसके बाद घायलों को प्राइवेट वाहन और एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।स्थानीय प्रशासन द्वारा घायलों को 5-5 हजार की फौरी राहत राशि और मृतक के आश्रितों को 25 हजार रुपए की राहत राशि दी गई है। मृतक की पहचान ड्राइवर दीनानाथ पुत्र भूतेश्वर गांव बाउरी करसोग जिला मंडी, केशव राम पुत्र कांशी राम गांव टिप्पर आनी जिला कुल्लू और गुलशन पुत्र सुरेश कुमार गांव कटोली तहसील आनी कुल्लू के तौर पर हुई है।

भू-कानून के घेरे में कई अधिकारी

❑पूर्व डीएम के रिश्तेदारों ने भी खरीदी जमीनें

संवाददाता

देहरादून। भू कानून समन्वय समिति के सुरेन्द्र सिंह पांगती ने कहा कि भू कानून के घेरे में कई अधिकारी है तथा पूर्व डीएम के रिश्तेदारों ने भी भू-कानून का उल्लंघन करते हुए जमीने खरीदी हैं।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पांगती ने कहा कि छरबा में एक व्यक्ति को 300 बीघा जमीन स्थानान्तरित कर दी गयी। जबकि भू-कानून के तहत 250 वर्ग मीटर से अधिक कृषि भूमि बाहरी व्यक्ति नहीं खरीद सकता है। लेकिन यहां पर कानून का खुला उल्लंघन करते हुए पौधा में 300 बीघा जमीन पर प्रोजेक्ट दिशा-वन, दिशा-टू के नाम से चल रहा है जिसमें आईएस, पीसीएस व आईपीएस अधिकारी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि जमीनों की लूट में अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि यहीं नहीं गोल्डन फोरेस्ट की जमीनें जोकि सरकार में निहित को गयी थी अधिकारियों की मिली भगत से गोल्डन फोरेस्ट की जमीनें भी ओने पौने दामों पर बेच दी गयी। उन्होंने कहा कि पौंधा में अधिकारियों के लिए कालोनी बन रही है यह सबसे बडा घोटाला है। लेकिन जब इसमें आईएस, पीसीएस व आईपीएस अधिकारी शामिल हैं तो इसकी निष्पक्ष जांच कैसे हो सकेगी। यह अपने आपमें सवाल है।

पांगती ने कहा कि जहां स्कूल, कालेज हास्पिटल के लिए सरकार के पास जमीन नहीं है वहीं एक व्यक्ति को विश्वविद्यालय के लिए करोडों की जमीन कौढियों के दामों पर बेच दी गयी। इसके साथ ही अनुसूचित जाति के लोगों की जमीन खरीदने के लिए जिलाधिकारी की अनुमति आवश्यक होती है लेकिन यहां पर अनुसूचित जाति के लोंगों की 64 बीघा जमीन बगैर जिलाधिकारी की अनुमति के बेच दी गयी।

पांगती ने कहा कि सिडकुल में छोटे उद्योग लगाने के लिए जमीन दी गयी थी। लेकिन सिडकुल ने 60 एकड जमीन उस व्यक्ति को दे दी जोकि उत्तराखण्ड का मूल निवासी भी नहीं है उसको 60 एकड जमीन 90 साल की लीज पर कौढियों के दाम पर दे दी गयी। जबकि वह जमीन क्षेत्र के लोगों के लिए छोटे उद्योग लगाने के लिए थी।

उन्होंने कहा कि यहां पर जमीनों की लूट में अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पूर्व जिलाधिकारी ने अपने पति व देवर के नाम पर जमीनें खरीदी हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

इतिहास का काला दिन

बीते कल देश के संसदीय इतिहास में जो कुछ घटित हुआ वह हमेशा हमेशा के लिए काले अक्षरों में दर्ज हो चुका है। यह इतिहास लिखा गया है राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के नाम। राज्यसभा के सभापति धनखड़ पर अत्यंत ही गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया गया है। लोकसभा या राज्यसभा के स्पीकर के खिलाफ विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव लाने पर विवश होना पड़ा हो यह पहली बार हुआ है। सरकारों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाना तो देश के लोग कई बार देख चुके हैं लेकिन सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव इससे पहले कभी नहीं लाया गया। जिन 60 सांसदों ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं उनका कहना है कि वह विपक्ष के विरोध को अपमानजनक तरीके से रोकते हैं। तथा बेहद पक्षपात पूर्ण तरीके से सदन का संचालन करते हैं और अपने विशेषाधिकारों का गलत प्रयोग करते हैं। अभी बीते दिनों सांसद जया बच्चन के साथ उनकी तीखी नोक-झोक का एक वीडियो वायरल हुआ था जो काफी चर्चाओं में रहा था। जिसमें वह जया बच्चन को यह कहते हुए धमका रहे हैं कि वह उन्हें नहीं जानती है कि वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो आउट ऑफ वे भी जा सकते हैं। सदन में उपराष्ट्रपति की कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के साथ भी खूब गर्मा गर्मी हो चुकी है जब उन्होंने खड़गे के वक्तव्य में प्रयोग किए गए गौतम अडानी के नाम को संसदीय कार्यवाही से हटवा दिया था। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद संसद के दोनों ही सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही है विपक्ष का आरोप है कि उनके द्वारा दोनों ही सदनों में जो भी मुद्दे उठाए जाते हैं उन पर चर्चा की अनुमति नहीं दी जाती है परिणाम स्वरुप हंगामा ही हंगामा होता है। बात अगर राज्यसभा की की जाए तो जगदीप धनखड़ के 2022 में उपराष्ट्रपति बनने के बाद 42 विषय पर विपक्ष ने नियम 267 के तहत चर्चा करने की मांग की गई है लेकिन उन्होंने एक बार भी किसी भी मुद्दे पर चर्चा कराने की स्वीकृति नहीं दी। अगर इतिहास पर गौर करें तो अंतिम बार जब वेंकैया नायडू सभापति थे उन्होंने नोटबंदी के मुद्दे पर 267 के तहत चर्चा कराई थी। भैरव सिंह शेखावत द्वारा सभापति रहते हुए अपने कार्यकाल में तीन और हामिद अंसारी ने चार बार नियम 267 के तहत चर्चा कराई थी। फिर आखिर ऐसा क्या हो गया है कि अगर विपक्ष 267 के तहत चर्चा की मांग करता है तो उसे दुत्कार कर चुप कर दिया जाता है। भले ही सत्ता पक्ष द्वारा विपक्ष पर संसद की कार्यवाही न चलने देने का आरोप लगाया जाता रहता है लेकिन विपक्ष का कहना है कि सरकार ही नहीं चाहती है कि सदन में किसी मुद्दे पर चर्चा हो या सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। सवाल यह नहीं कि उपराष्ट्रपति के खिलाफ लाया गया यह अविश्वास प्रस्ताव गिरेगा या बचेगा अपने आप में उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को लाया जाना ही उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के सवाल से जोड़ता है। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को इससे भी कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है वहीं विपक्ष ने भी अब इस बात के लिए कमर कस ली है कि उसे चाहे किसी भी हद तक जाना पड़े लेकिन वह अब इस तरह की तानाशाही के खिलाफ किसी भी हद तक जाएगा। उपराष्ट्रपति के बाद अब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ भी ऐसा ही कुछ हो सकता है लेकिन इस देश की राजनीति में इस दौर में जो कुछ घटित हो रहा है वह भावी भविष्य के लिए अच्छा नहीं कहा जा सकता है। संवैधानिक पदों पर बैठे राज्यपाल हो या फिर सभापति उन्हें अपने सम्मान की रक्षा करनी है तो उनका निष्पक्ष होना जरूरी है। क्योंकि वह किसी दल या पार्टी का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

सिंहपुरा-नावघाट पुल एप्रोच मामले में जगी उम्मीदः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। सिंहपुरा-नवाघाट पुल एप्रोच मामले में सचिव लोक निर्माण ने प्रमुख सचिव हिमाचल प्रदेश को पत्र भेजा।

आज यहां उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश को जोड़ने वाला सेतु सिंहपुरा (हिप्र)- नावघाट(उत्तराखंड) पुल की कनेक्टिविटी मामले में मुख्य सचिव के निर्देश पर सचिव लो.नि.वि. ने हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव, लो.नि.वि. को 4 दिसम्बर 24 को पत्र प्रेषित कर कार्रवाई का आग्रह किया है।

उक्त मामले में जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के आग्रह पर पूर्व में मुख्य सचिव द्वारा सचिव, लोक निर्माण विभाग को हिमाचल प्रदेश सरकार/ शासन से समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए थे। नेगी ने कहा कि करोड़ों रुपए की लागत से बना उक्त पुल विभागीय एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की अपरिपक्वता/नासमझी की वजह से शोपीस बनकर रह गया है, जिसकी वजह से सरकार का करोड़ों रुपया बेकार

हो रहा है एवं उक्त पुल का वर्तमान में जनता को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा

❑सचिव लोक निर्माण ने प्रमुख सचिव, हिमाचल प्रदेश को भेजा पत्र

है। मोर्चा की टीम द्वारा उक्त पुल की वस्तुस्थिति जानने को लेकर पूर्व में निरीक्षण भी किया था।

नेगी ने कहा कि अप्रैल 2015 में स्वीकृत पुल बगैर हिमाचल प्रदेश सरकार से पुखता एमओयू साइन किये बगैर लगभग दो वर्ष पूर्व पुल बनाने का काम शुरू किया गया, जो कई माह पूर्व बनकर तैयार हो गया है, लेकिन सिंहपुरा तक की कनेक्टिविटी संभवतः भूमि अधिग्रहित/ अर्जन किये बगैर ही कर दी गई। हैरानी की बात है कि पुल निर्माण से पहले हिमाचल प्रदेश सरकार से कोई लिखित दस्तावेज नहीं लिए गए। मोर्चा को भरोसा है कि अब शीघ्र ही कनेक्टिविटी मामला हल हो जाएगा।

मोबाइल एप विकसित करने के नाम पर ठगे डेढ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। मोबाइल एप को विकसित करने के नाम पर डेढ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सर्कुलर रोड निवासी प्रताप सिंह ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी कम्पनी द्वारा वैब-देशबोर्ड एवं मोबाइल एप को विकसित करने के प्रोजेक्ट हेतु सर्चिग याड सोफटवेयर खंडागिरी, भुबनेश्वर, ओड़ीसा से सौदा किया था। उक्त कंपनी के निदेशक आशुतोष महापात्र एवं श्रीमती इतिश्री साहू द्वारा अपने कर्मचारी अभिलाश जेना के माध्यम से उसको व्हाट्सएप के माध्यम से उक्त कार्य हेतु इन्वाइस भेजी गई जिसमे देय राशि 85 हजार रूपये के साथ-साथ शर्तें भी लिखी थीं। उसके द्वारा तय शर्तों के अनुसार कम्पनी के बैंक खाते में 25 हजार 500 रूपये व 1399 रुपये का आंशिक भुगतान कर दिया जिसकी शेष राशि प्रोजेक्ट विकास के विभिन्न स्तरों पर दी जानी थी। इसी प्रोजेक्ट के निमित्त एक और मोबाइल एप विकसित करने की आवश्यकता महसूस हुई जिसके लिए कम्पनी द्वारा फिर से ईमेल के माध्यम से इन्वाइस 30 हजार रूपये भेजी गई जिसका भी उसकी कंपनी द्वारा आंशिक भुगतान 10 हजार रुपये कर दिया गया व शेष धनराशी प्रोजेक्ट विकास के विभिन्न स्तरों पर दी जानी थी। इस प्रकार उसकी कम्पनी को कुल 1 लाख 15 हजार रुपये देने थे जिसमे से 36 हजार 799 रुपये उसकी कम्पनी द्वारा उक्त कम्पनी के खाते में हस्तांतरित कर दिये गए। कम्पनी के निदेशकों द्वारा उक्त प्रोजेक्ट को पूर्ण बताकर एवं हस्तांतरित किए जाने का वादा कर उसको अपनी कथित लेखाकार शिल्पी कानूनगो द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से लम्बित भुगतान की दो इन्वाइस भिजवायीं जिनका जोड़ कुल देय राशि एक लाख 15 हजार से अधिक था और धोखे से उससे देय राशि से 50 हजार रुपये अधिक का भुगतान करवा लिया। इस प्रकार उससे कुल एक लाख 66 हजार 399 रुपये का भुगतान लेने के बाद भी न तो उक्त प्रोजेक्ट को उसको हस्तांतरित किया गया और न ही उसके पैसे लौटाए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कैबिनेट मंत्री ने किया 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म का अवलोकन

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ सेंट्रियो मॉल में 'द साबरमती रिपोर्ट' फिल्म का अवलोकन किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि 'द साबरमती रिपोर्ट' 2002 के गोधरा कांड के वास्तविक सच को देश की जनता के सामने लाती है।

यह फिल्म दशकों तक प्रचारित भ्रामक 'नैरेटिव' का पर्दाफाश करती है। हर देशवासी को यह फिल्म देखकर गोधरा का सच जानने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने राजनीतिक स्वार्थ हेतु किए गए षडयंत्र के सत्य को उजागर करने के लिए इस फिल्म के निर्देशक, निर्माता तथा सभी कलाकारों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और फिल्म की सफलता की कामना भी की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की धर्मपत्नी निर्मला जोशी, मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, ज्योति कोटिया, महानगर महामंत्री सुरेंद्र राणा, आर. एस. परिहार, निरंजल डोभाल, सतेंद्र नाथ, भूपेंद्र कठेत, समीर पुंडीर, योगेश घाघड़, सारिका खत्री, भावना चौधरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पीआरएसआई देहरादून चैप्टर ने पुलिस महानिदेशक से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता

देहरादून। पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), देहरादून चौप्टर के प्रतिनिधिमंडल ने आज उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक श्री दीपम सेठ से शिष्टाचार भेंट की। बैठक के दौरान ष्ड्रग्स फ्री उत्तराखंडष अभियान को प्रभावी बनाने, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, साइबर अपराधों के खतरों को कम करने और इन सभी क्षेत्रों में जन भागीदारी को सुनिश्चित करने पर गंभीर विचार-विमर्श हुआ।

ड्रग्स समस्या को लेकर डीजीपी दीपम सेठ ने कहा कि ड्रग्स फ्री उत्तराखंड मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उनके निर्देश पर पुलिस प्रशासन द्वारा ड्रग्स की गतिविधि यों में लिप्त असामाजिक और माफिया तत्वों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसे रोकने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग युवाओं को नशे के दलदल से बचाने के लिए

जन जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है, जिसमें समाज के हर वर्ग का योगदान

ड्रग्स फ्री उत्तराखंड अभियान, सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा के लिए उत्तराखंड पुलिस कृतसंकल्पः डीजीपी

आवश्यक है। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सख्त यातायात नियमों के पालन और लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने पर भी चर्चा की गई। इस संदर्भ में डीजीपी ने कहा कि पुलिस चेकिंग को काफी बढ़ाया गया है। सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है और पीआरएसआई जैसे संगठनों का सहयोग इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। डीजीपी ने कहा कि साइबर क्राइम रोकथाम के लिए लोगों को डिजिटल सुरक्षा और इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक करना जरूरी है। उन्होंने पीआरएसआई के सदस्यों से आग्रह किया कि वे इस दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभाएं। पीआरएसआई देहरादून चैप्टर के अध्यक्ष रवि बिजारनिया ने कहा कि ड्रग्स फ्री ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

बाइडन बहुत कमज़ोर राष्ट्रपति साबित हुए

श्रुति व्यास

जो बाइडन का राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल अंत की ओर है। उन्हें जनवरी में व्हाइट हाउस छोडऩा है इसलिए उन्हे अपना सामान बांधना है तो अपनी विरासत को भी संवारना है। उन्होंने 44वें राष्ट्रपति के रूप में जब पद संभाला था तब उन्हें उम्मीद थी कि वे ऐसी विरासत छोड़ जाएंगे जिसके चलते उन्हें फ्रैंकलिन डी रूज़वेल्ट (एफडीआर) के बाद अमेरिका के सबसे प्रगतिशील राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाएगा। लेकिन तकदीर को कुछ और मंजूर था। बाइडन बहुत कमज़ोर राष्ट्रपति साबित हुए है और वे कलह से भरी दुनिया छोड़े जा रहे हैं।

कोई शक नहीं कि जो बाइडन का पद छोडऩा और डोनाल्ड ट्रंप का उनकी जगह लेना सत्ता के अन्य हस्तांतरणों की तुलना में बहुत डरावना है क्योंकि कई युद्ध जारी हैं। एक नयी जंग छिडऩे के आसार नजऱ आ रहे हैं। बाइडन प्रशासन अपने अंतिम दिनों में अधिक से अधिक काम निपटाने में जुटा हुआ है। उसे पर्दा गिरने से

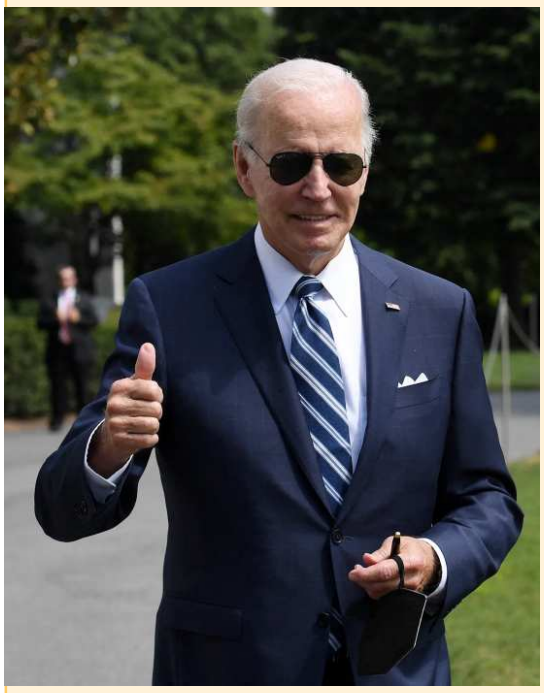

पहले बहुत कुछ करना है।

पहला मसला है यूक्रेन का। बाइडन ने बहुत समय बर्बाद करने के बाद यूक्रेन को अमेरिका द्वारा दी गईं लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। वे पूरी कोशिश कर रहे हैं कि कांग्रेस ने यूक्रेन की सैन्य सहायता के लिए 6 अरब डालर की जो मंजूरी दी थी, उसकी बची हुई रकम उनके व्हाइट हाउस छोडऩे के पहले खर्च कर दी जाए। इस हृदय परिवर्तन का कारण शायद यह है कि रूस की मदद के लिए हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों को अग्रिम मोर्चे पर तैनात कर दिया गया है जिसे अमेरिका युद्ध के विस्तार के रूप में देख रहा है।

पश्चिमी मिसाइलों का इस्तेमाल रूस के भीतरी इलाकों पर हमले के लिए करने की इजाजत यूक्रेन को देकर बाइडन ने न केवल उत्तर कोरिया को बल्कि पुतिन को भी सन्देश दिया है। हालांकि इस फैसले से अग्रिम मोर्चों पर यूक्रेन की कमजोर स्थिति में कोई नाटकीय बदलाव नहीं होगा, लेकिन इससे यूक्रेन का मनोबल बढ़ेगा और 2० जनवरी के बाद ट्रंप की पहल पर होने वाली संभावित वार्ताओं में उसका पक्ष मजबूत होगा। ऐसा बताया जाता है कि ट्रम्प ने पुतिन को फ़ोन कर कहा है कि वे युद्ध को और तेज न करें। मगर क्रेमलिन का कहना है कि ऐसा कोई फ़ोन नहीं आया।

दूसरा मसला है पश्चिम एशिया में युद्ध का। गाजा में शुरू हुआ युद्ध लेबनान तक पहुंच गया है और अब शायद उसकी लपटें ईरान तक पहुँच जाएँ। इस मामले में एक और नया घटनाक्रम है। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय ने बेंजामिन नेतन्याहू को गिरफ्तार करने की बात कही है। बाइडन ने इसे असहनीय बताकर अमेरिका के पाखण्ड को उजागर किया है। फिर युद्धविराम की बातें भी हो रही हैं। इजराइल की कैबिनेट ने कल रात एक बैठक में हिजबुल्ला के खिलाफ 14 महीनों से चल रहे युद्ध को विराम देने को मंजूरी दी है।

पहले से लिखी जा चुकी पटकथा का यह बहुत खूबसूरत मंचन था। नेतन्याहू ने टेलीविजऩ पर आकर अपने देश की जनता को समझौते के बारे में बताया। फिर जो बाइडन ने व्हाइट हाउस के रोज़ गार्डन में इसे एक %ऐतिहासिक मौका' बताया। अब ऐसी उम्मीद है कि युद्ध ख़त्म हो सकता है। अमेरीका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, हमास का पहले दिन से ही प्रयास रहा है कि वह इस युद्ध में दूसरों को भी घसीट ले। अगर उसे लगेगा कि नए दस्ते लड़ाई के मैदान की ओर कूच नहीं कर रहे हैं तो हमास वह करेगा जो इस लड़ाई को ख़त्म करने के लिए ज़रूरी है। अमेरिका को अब उम्मीद है कि लेबनान के साथ हुए समझौते से गाजा में चल रही लड़ाई रुकेगी।

जो हुआ उससे डोनाल्ड ट्रम्प खुश नहीं होंगे। उन्होंने अक्टूबर में लेबनानी-अमरीकी मतदाताओं से वायदा किया था कि वे उनकी मातृभूमि में लड़ाई बंद करवा देंगे। मगर बाइडन के शांति दूत बन जाने से वे यह श्रेय लेने से वंचित रह गए हैं। बाइडन अब केवल 55 दिनों तक राष्ट्रपति रहेंगे। जाहिर है कि वे जल्दी में हैं। वे नेपथ्य की ओर खिसकते जा रहे हैं और मंच की स्पॉटलाइट अब उन पर नहीं है। उनका उत्तराधिकारी आने वाले दिनों को आकार देने में जुटा हुआ है। मगर इस सबके बावजूद ओवल ऑफिस में तो अभी वे ही बैठते हैं। उनके कार्यकाल का उपसंहार लिखा जाना बाकी है। वे चाहेंगे कि उन्हें एक ऐसे राष्ट्रपति के रूप में याद किया जाए जिसने लम्बे समय से चली आ रही दुश्मनियों को ख़त्म किया न कि ऐसे राष्ट्रपति के रूप में जो अपने उत्तराधिकारी के लिए समस्याओं का पहाड़ छोड़ गया।

लकड़ी के फर्नीचर को चमकाने के लिए घर पर बनाएं पॉलिश, आसान है बनाना

लकड़ी का फर्नीचर भले ही कितना ही महंगा क्यों न हो, एक समय के बाद उसकी चमक फीकी पड़ने ही लगती है, इसलिए इसे समय-समय पर साफ करने के साथ पॉलिश करना जरूरी है। अमूमन लोग लकड़ी के फर्नीचर की पॉलिश को बाजार से खरीदते हैं, लेकिन आप चाहें तो घर पर ही पॉलिश बनाकर उसका इस्तेमाल करके अपने लकड़ी के फर्नीचर को चमका सकते हैं। आइए आज कुछ लकड़ी के फर्नीचर की पॉलिश बनाने का तरीका जानते हैं।

सफेद सिरके और जैतून के तेल का मिश्रण लकड़ी के फर्नीचर को पॉलिश करने में मदद कर सकता है। पॉलिश बनाने के लिए सबसे पहले एक बड़े कटोरे में एक कप जैतून का तेल और आधा कप सफेद सिरके को मिलाएं, फिर इस मिश्रण से एक सॉफ्ट कपड़े को भिगोकर अपने लकड़ी के फर्नीचर पर हल्के हाथों से मलते हुए लगाएं। इसके बाद पॉलिश को सूखने दें और जब सूख जाए तो इस पर पॉलिश का एक और कोट लगाएं।

आप चाहें तो अपने लकड़ी के फर्नीचर को पॉलिश करने के लिए नारियल के तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक सॉफ्ट कपड़े पर नारियल का तेल डालें, फिर इसे लकड़ी के फर्नीचर पर हल्के हाथों से इस तरह रगड़े, जिस तरह फर्नीचर को पॉलिश किया जाता है। यकिन मानिए इससे लकड़ी के फर्नीचर की न सिर्फ चमक बढ़ेगी बल्कि गंदगी भी दूर हो जाएगी।

बीजवैक्स और जैतून के तेल से बनी पॉलिश भी लकड़ी के फर्नीचर को चमका सकती है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले बीजवैक्स को पिघलाएं, फिर इसे एक कटोरे में जैतून के तेल के साथ मिलाएं और जब यह मिश्रण हल्का ठंडा हो जाए तो इसे लकड़ी के फर्नीचर पर डालें। इसके बाद फर्नीचर पर एक मुलायम कपड़ा सर्कुलेशन मोशन पर फेरे ताकि बीजवैक्स वाला मिश्रण अच्छे से पूरे फर्नीचर पर लग जाए।

नींबू और जैतून के तेल की पॉलिश

नींबू और जैतून के तेल की पॉलिश बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरे में एक कप जैतून का तेल और आधा कप नींबू का रस डालकर अच्छे से मिलाएं। अब इस मिश्रण में एक सॉफ्ट कपड़ा भिगोएं और उसे लकड़ी के फर्नीचर पर हल्के हाथों से फेरें और जब पॉलिश का यह कोट सूख जाए तो फर्नीचर पर पॉलिश का दूसरा कोट लगाएं। इससे आपका लकड़ी वाला फर्नीचर एकदम नए जैसा लगने लगेगा।

प्रेग्नेंसी के दौरान एक्सरसाइज सही है या नहीं जानें क्या है पूरा सच

पांच में से एक गर्भवती महिला को कम फिजिकल एक्टिविटी करने की सलाह दी जाती है। भले ही एक्सरसाइज को ज़्यादातर गर्भावस्थाओं के दौरान सुरक्षित और हेल्दी माना जाता है। हालांकि कुछ डॉक्टर कुछ गर्भवती महिलाओं की कंडीशन देखकर फुल बेड रेस्ट करने की सलाह देते हैं। हालांकि, जिन महिलाओं की हेल्दी प्रेग्नेंसी हैं उन्हें एक्सरसाइज करने की सलाह देते हैं।

गर्भावस्था के दौरान व्यायाम करने के बारे में कई मिथक हैं। लेकिन व्यायाम आम तौर पर सुरक्षित है और ज़्यादातर महिलाओं के लिए अच्छा होता है। आपको गर्भावस्था के दौरान व्यायाम शुरू नहीं करना चाहिए

गर्भावस्था व्यायाम शुरू करने का एक बढिय़ा समय है। भले ही आपने पहले कभी व्यायाम न किया हो।

मध्यम व्यायाम आम तौर पर सुरक्षित है और स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा इसकी अनुशंसा की जाती है।

यदि आप गर्भावस्था से पहले सक्रिय थीं, तो आप उच्च-प्रभाव वाली गतिविधियां जारी रख सकती हैं, लेकिन आपको अपने शरीर की बात सुननी चाहिए और ज़रूरत के अनुसार बदलाव करना चाहिए।

पेट की कसरत नहीं कर सकते

गर्भावस्था के दौरान कोर की ताकत महत्वपूर्ण है, और पेल्विक टिल्ट या प्लैंक वेरिएशन जैसे सुरक्षित कोर व्यायाम मदद कर सकते हैं।

आपकी हृदय गति कभी भी 14० बीपीएम से ऊपर नहीं जानी चाहिए

अधिकांश डॉक्टर अब आपको सलाह देते हैं कि आप इस बात पर ध्यान दें कि आप कैसा महसूस कर रही हैं और यदि आप आराम से बातचीत नहीं कर सकती हैं तो व्यायाम करना बंद कर दें।

गर्भावस्था के दौरान व्यायाम करने के लिए यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं

व्यायाम कार्यक्रम शुरू करने या जारी रखने से पहले अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से सलाह लें।

अगर आप गर्भावस्था से पहले बहुत सक्रिय नहीं थीं। तो हल्के व्यायाम से शुरुआत करें, जैसे कि टहलना। यह कहने का मतलब है हल्के एक्सरसाइज।

स्विमिंग करने से पहले ज्यादा खाना खाने से पेट ?

तैराकी से पहले बहुत ज़्यादा खाने से पेट में दर्द होता है इस बात का कोई मेडिकल सबूत नहीं है कि खाने के बाद तैरने से गंभीर ऐंठन या डूबने की संभावना होती है। शरीर पेट और मांसपेशियों दोनों को पर्याप्त ऑक्सीजन की आपूर्ति करता है।तैराकी से पहले खाना मनोरंजक तैराकी के लिए सुरक्षित है। सबसे बड़ा खतरा शायद मामूली ऐंठन है।

यह मिथक कि आपको तैराकी से पहले खाने के कम से कम 3० मिनट बाद तक इंतजार करना चाहिए। इस विचार से आता है कि खाने से रक्त पेट और आंतों में चला जाता है। हालांकि, शरीर पाचन में सहायता के लिए अतिरिक्त रक्त की आपूर्ति करता है, लेकिन मांसपेशियों को ठीक से काम करने से रोकने के लिए पर्याप्त रक्त नहीं देता है। तैराकी करते समय अपने पेट में हवा जाने से बचने के लिए।

आप कार्बोनेटेड पेय और च्युइंग गम का सेवन सीमित कर सकते हैं। आपको तैराकी से पहले आलू के चिप्स या फ्राइड चिकन जैसे तले हुए खाद्य पदार्थों से भी बचना चाहिए।

सांस लेने की गलत तकनीक की वजह से तैराक हवा निगल सकता है, जिससे तैरने के बाद डकार, गैस और पेट में दर्दनाक ऐंठन हो सकती है। एरोफेगिया के नाम से जानी जाने वाली यह आदत जठरांत्र संबंधी मार्ग में हवा को फंसा देती है। नॉर्थवेस्टर्न मेडिसिन के डाइजेस्टिव हेल्थ सेंटर के गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट क्रिश्चियन स्टीवॉफ ने हेल्थ को बताया कभी-कभी पेट में असुविधा और दर्दनाक शौच लैक्टोज फ्रुक्टोज या ग्लूटेन जैसे खाद्य असहिष्णुता के कारण हो सकता है।

स्विमिंग से पहले कम से कम 3० मिनट पहले कुछ नहीं खाना चाहिए। ऐसा करने से खाना ठीक से पचता नहीं और तैरते समय परेशानी हो सकती है। हालांकि, अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या नहीं है, तो खाना खाने के बाद भी तैर सकते हैं। इससे पाचन में सुधार होता है, ब्लड फ्लो बेहतर होता है और मांसपेशियां रिलैक्स होती हैं।

स्विमिंग से पहले क्या खाना चाहिए

स्विमिंग से पहले आसानी से पचने वाले खाद्य पदार्थ खाएं, जैसे कि फल, उबली सब्जियां, कम वसा वाले डेयरी उत्पाद, ब्रेड, नट्स, और साबुत अनाज।

शरीर को हाइड्रेट रखने के लिए पानी, जूस, अखरोट का दूध, या स्मूदी पिएं।

प्रोटीन का सेवन करें ताकि शरीर को ऊर्जा और ताकत मिल सके।

तैराकी से पहले भारी खाना न खाएं, जैसे कि दाल, चावल, रोटी, पराठे, या पूरी।

तैराकी से पहले तले-भुने, मसालेदार, रेशेदार खाद्य पदार्थ, उच्च चीनी कार्बोनेटेड पेय, और कैफ़ीन-आधारित पेय न खाएं।

पुष्पा 2 के साथ सनी देओल की जाट का टीजर हुआ रिलीज

पुष्पा 2 के मेकर्स अगला धमाका सनी देओल की जाट के साथ करने जा रहे हैं जिसका टीजर उन्होंने पुष्पा 2 के साथ ही थिएटर में रिलीज कर दिया है। सनी देओल की आने वाली फिल्म जाट, पुष्पा 2 के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स की अगली बड़ी पेशकश है। पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान सिनेमाघरों में जाट का टीजर चलाया गया। जिसकी रिकॉर्डिंग सोशल मीडिया पर सामने आई और अब खूब वायरल हो रही है। मेकर्स ने अभी तक यूट्यूब और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाट का ऑफिशियल टीजर रिलीज नहीं किया है।

जाट के टीजर की क्लिप सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं वायरल क्लिप में पूरा थिएटर तालियों और सीटियों से गूंज उठा और हो भी क्यों ना आखिर सनी देओल की फिल्म है जो धमाकेदार एक्शन और डायलॉग से भरपूर होती हैं। एक डायलॉग सनी बोलते हैं, मैं जाट हूं, सर कटने के बाद भी हाथ हथियार नहीं छोड़ता। टीजर में रणदीप हुड्डा का भी खतरनाक अवतार देखने को मिला। टीजर पर दर्शकों के पॉजीटिव रिस्पॉन्स आ रहे हैं। लोग इसे हाई ऑक्टेन मास फिल्म कह रहे हैं। कोई इसे 2025 की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बता रहा है।

सनी देओल ने 2023 में फिल्म गदर 2 के साथ बॉलीवुड में कमबैक किया था जिसे दर्शकों ने खूब प्यार दिया और इसने कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। अब फिर से सनी देओल थिएटर में एक धमाकेदार मास एक्शन फिल्म लाने वाले हैं जिसका नाम जाट है। सनी देओल की जाट को पुष्पा के मेकर्स ने बनाया है इसी के साथ ये सनी देओल का टॉलीवुड में डेब्यू भी हो रहा है। फिल्म का टीजर पुष्पा 2 के साथ थिएटर में दिखाया गया वहीं इसे आज ऑफिशियली रिलीज कर दिया गया है।

टीजर की शुरुआत में ही सनी देओल की एंट्री धमाकेदार होती है। जिसके बाद उनका पावरफुल डायलॉग, मैं जाट हूं, सिर कटने के बाद भी हाथ हथियार नहीं छोड़ता। वहीं इस बार सनी देओल का एक्शन थोड़ा हटकर है, उनका गदर में हैंडपंप उखाडने वाला सीक्वेंस काफी फेमस है लेकिन इस बार वे हैंडपंप नहीं बल्कि पंखा ही उखाड़ लाए। उनके अलावा फिल्म में रणदीप हुड्डा लीड रोल में हैं। टीजर देखकर पता चलता है कि रणदीप सनी देओल के अपोजिट होंगे यानि रणदीप फिल्म में विलेन बने हैं। मैथ्री मूवी मेकर्स ने टीजर रिलीज करते हुए लिखा, शैतान नहीं, भगवान नहीं जाट है वो।

सनी देओल की फिल्म हो और एक्शन ना हो ऐसा कैसे हो सकता है। मैथ्री मूवी मेकर्स पुष्पा 2 के बाद सनी देओल की जाट के साथ फिर से धमाका करने के लिए तैयार हैं। टीजर में ही सनी के एक्शन अवतार को शानदार तरीके से दिखाया गया है। वहीं टीजर से अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म के डायलॉग भी जबरदस्त हैं। जो फिर से दर्शकों को थिएटर में तालियां बजाने पर मजबूर करेंगे।

आपको बता दें जाट का टीजर मेकर्स ने पुष्पा 2 के साथ थिएटर में रिलीज कर दिया था जो सोशल मीडिया पर कुछ वायरल हुआ वहीं अब इसे मेकर्स ने ऑफिशियल रिलीज कर दिया है। जाट में सनी देओल और रणदीप हुड्डा लीड रोल में हैं। इस फिल्म को गोपीचंद मालिनेनी ने डायरेक्ट किया है और पुष्पा के मेकर्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म अप्रेल 2025 में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म जाट का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी कर रहे हैं। यह एक मास एक्शन फिल्म है, जिसे अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म पुष्पा के मेकर्स मैत्री मूवीज बना रहे हैं। फिल्म में सनी देओल का मास एक्शन अवतार देखने को मिलेगा, जो अब तक बॉलीवुड में भी देखने को नहीं मिला है। बता दें, जाट सनी देओल की टॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। सनी को यह मौका उनकी पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर 2 की सक्सेस के बाद मिला है। एक दिन पहले ही सनी देओल ने इसका अनाउंसमेंट करते हुए लिखा था, जाट का सबसे शानदार टीजर लॉन्च, पुष्पा 2 द रूल के साथ दुनिया भर में 12,500+ स्क्रीन पर ग्रैंड जाट टीजर लॉन्च। बड़ी स्क्रीन पर मास फीस्ट को एंजॉय करें। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की नई एक्शन फिल्म पुष्पा 2 द रूल आज, 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फर्स्ट डे शो देखने के लिए लोगों की भीड़ सिनेमाघरों की ओर रूख कर रही हैं। सुकुमार की निर्देशित फिल्म को फैंस और दर्शकों से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

पेट का बैंड बजा सकती है खाने की एक गलत आदत, भूलकर भी न करें ऐसी गलती

बिजी लाइफस्टाइल और भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के पास ठीक से खाने का भी वक्त नहीं है। यही कारण है कि ज्यादातर जल्दी-जल्दी खाना खाकर उठ जाते हैं। जिसका असर खतरनाक हो सकता है। इसकी वजह से शरीर को कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

दरअसल, खाना चबाकर खाने से वह छोटे-छोटे टुकड़ों में टूट जाता है और पेट-आंत में जाकर आसानी से पचता है। इससे लार में मौजूद एंजाइम खाने में मौजूद कार्बोहाइड्रेट को तोडने लगते हैं। अगर आप भी किसी वजह से खाना ठीक तरह से चबाकर नहीं खा रहे हैं तो सावधान हो जाइए और यहां जानिए इसके साइड इफेक्ट्स।

खाने को ठीक से न चबाने के कारण

जल्दबाजी में खाना खाना

टीवी या मोबाइल देखते समय खाना खाना

खाने की जल्दी में होने से

खाने को ठीक से न चबाने के नुकसान

1 पाचन की समस्याएं

खाने को ठीक से न चबाने से पाचन समस्याएं हो सकती हैं। इससे खाना सही तरह नहीं पचता है और कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। इसकी वजह से गैस और अपच जैसी समस्याएं भी परेशान कर सकती हैं।

2 वजन बढ़ना

खाने को ठीक से न चबाने से वजन तेजी से बढ़ सकता है। दरअसल जल्दी खाने से दिमाग भूख और पेट भरने के संकेत को सही तर नहीं दे पाता है। शोध में पता चला है कि धीरे-धीरे खाने और सही तरह चबाने से पेट भरने का एहसास कराने वाले हार्मोन एक्टिव होते हैं, जिससे भूख मिटलती है।

3 पोषक तत्वों की कमी

खाने को ठीक से न चबाने से पोषक तत्वों की कमी हो सकती है। इसका असर ओवरऑल हेल्थ पर पड़ता है। इतना ही नहीं खाना सही तरह न चबाने से लार सही तरह नहीं बन पाता है और दांत-मसूड़ों में गंदगी बन रह सकती है।

4 सीने में जलन

अगर आप खाना सही तरह नहीं चबाते हैं तो गैस की समस्या बढ़ जाती है, जिसकी वजह से एसिड रिफ्लक्स हो सकता है और सीने में जलन हो सकता है। इसलिए हमेशा खाना चबाकर ही खाना चाहिए, ताकि शरीर कई तरह की परेशानियों से बच सके और खाना शरीर को फायदा पहुंचा सके।

खाने को ठीक से चबाने के लिए क्या करें

* धीरे-धीरे खाएं
* खाते समय टीवी या मोबाइल न देखें
* खाने को छोटे टुकड़ों में ही उठाएं
* पानी पीने से पहले खाना खाएं यानी खाते समय पानी न पिएं
* हर निवाले को कम से कम 25 से 40 बार चबाएं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 73

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

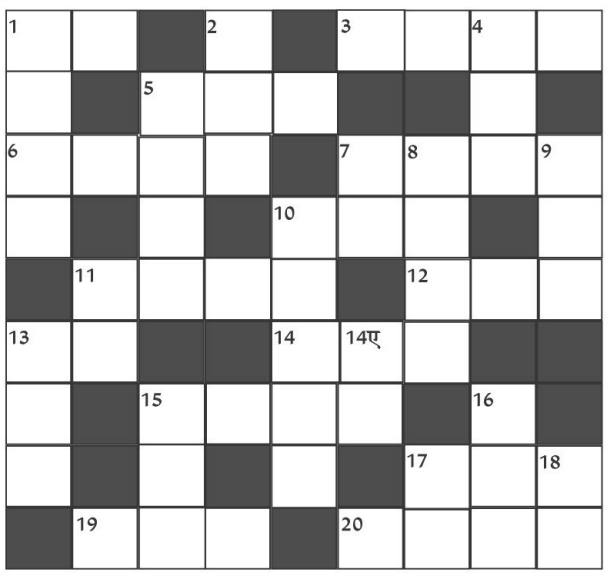

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 72 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

लकी भास्कर बनी फिल्म ऑफ द ईयर!

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कूल एक्टर दुलकर सलमान की नई फिल्म लकी भास्कर ओटीटी पर रिलीज हो गई है। फिल्म में दुलकर सलमान के साथ मीनाक्षी चौधरी स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आई है। फिल्म की रिलीज होते ही लोग सोशल मीडिया पर अपना रिव्यू साझा कर रहे हैं। दुलकर सलमान की कॉमन मैन वाली यह स्टोरी लोगों काफी पंसद आ रही हैं। लकी भास्कर आज से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। नेटफ्लिक्स ने इंस्टाग्राम पर लकी भास्कर से दुलकर सलमान का पोस्टर साझा किया है और कैप्शन में लिखा है, स्कैम से ज्यादा थ्रिलिंग क्या हो सकता है? इसे सामने आते देखना। अब नेटफ्लिक्स पर तेलुगू, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में लकी भास्कर देखें। दुलकर सलमान की थ्रिलर मूवी को लेकर एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर काफी सारे रिव्यू आए हैं। एक एक्स यूजर ने फिल्म के एक-एक प्वाइंट के बारे में बताया है। यूजर ने फिल्म को 5 स्टार में से 4।5 स्टार देते हुए पोस्ट में लिखा है, यह फिल्म भास्कर नाम के एक बैंक कर्मचारी की कहानी है, जो अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में चुनौतियों सामना करता है। 9० के दशक के अंत का सेट अप शानदार है और बेहतरीन ड्रेस देखने में अमैडजिंग लगा। स्ट्रॉन्ग कास्ट और बेहतरीन साउंडट्रैक फिल्म को और बेहतर बनाते हैं।

एक यूजर ने लिखा है, इस शख्स को मेरा सलाम, जीवी प्रकाश कुमार की याद आज भी मेरे दिमाग में है, जब मैंने इसे थिएटर में देखा था। यह फिल्म राष्ट्रीय पुरस्कारों में बेस्ट म्यूजिक की हकदार है। मैं इसके लिए कामना और प्रार्थना करता हूं। एक दूसरे यूजर ने लिखा है, दुलकर सलमान के लिए सबसे बेहतरीन एलिवेशन सीन में से एक और यह कोई एक्शन सीन नहीं है। ग्रेट राइटिंग यही कर सकता है। जबकि एक यूजर ने तो लकी भास्कर को फिल्म ऑफ द ईयर करार दिया है। इसने लिखा है, ना कल्कि।।ना देवरा।।। मेरे लिए लकी भास्कर फिल्म ऑफ द ईयर है। नेटफ्लिक्स ने आज यह फिल्म रिलीज कर दी गई है, जिसे दर्शक तेलुगू समेत पांच भारतीय भाषाओं में घर बैठे इस सुपरहिट फिल्म का लुत्फ उठा सकते हैं। फिल्म में रामकी, मानसा चौधरी, सचिन खेडेकर, साई कुमार, टीनू आनंद और अन्य भी हैं। बता दें कि दुलकर सलमान की लकी भास्कर दिवाली के शुभ अवसर पर 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

रूह बाबा और बाजीराव सिंघम का बॉक्स ऑफिस पर एक महीने चला राज

कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 3 और अजय देवगन की सिंघम अगेन एक साथ 1 नवंबर को थिएटर में रिलीज हुई थी दोनों फिल्मों ने पिछले एक महीने में जमकर पैसा कमाया और कंगुवा जैसी बिग बजट फिल्म रिलीज होने के बावजूद दोनों की कमाई पर ज्यादा असर नहीं पड़ा. भूल भुलैया 3 ने बॉक्स ऑफिस पर 35.5 करोड़ की ओपनिंग की थी वहीं सिंघम अगेन ने 43.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी. अब दोनों फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर 3०दिन पूरे हो चुके हैं आइए जानते हैं दोनों फिल्मों की कमाई.

सबसे पहले आपको बता दें कि कार्तिक की फिल्म ने 3०वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 2 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 255.4० करोड़ रुपये हो गया है. इसके अलावा वर्ल्डवाइड भूल भूलैया 3 ने 4०० करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. वहीं सिंघम अगेन अब तक इस आंकड़े को नहीं छू पाई है. सिंघम अगेन ने 3०वें दिन 1.5 करोड़ की कमाई की है जिससे इसका 3० दिनों का टोटल कलेक्शन 244.1 करोड़ हो गया है. वर्ल्ड वाइड कमाई की बात करें तो सिंघम अगेन ने लगभग 37० करोड़ की कमाई की है. इस तरह देखा जाए तो कार्तिक आर्यन ने अजय देवगन की फिल्म को कड़ी टक्कर दी है. साथ ही क्लैश की रेस में भी कार्तिक ही आगे हैं.

पिछले एक महीने से भूल भुलैया 3 और सिंघम अगेन राज कर रही है. कंगुवा, अभिषेक बच्चन की आई वांट टू टॉक और द साबरमती रिपोर्टट भी इनकी कमाई पर ज्यादा असर नहीं डाल पाई. दोनों फिल्मों के लिए अभी 4 दिनों तक रास्ता साफ है क्योंकि 5 दिसंबर को अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड पुष्पा2 रिलीज होने जा रही है. जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है फिल्म की रिलीज का दोनों फिल्मों की कमाई पर बड़ा असर पड़ सकता है. भुल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित ने लीड रोल प्ले किया है वहीं सिंघम अगेन में अजय देवगन, अक्षय कुमार, करीना कपूर, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, टाइगर श्रॉफ, जैकी श्रॉफ, अर्जुन कपूर जैसे कलाकारों ने काम किया है.

ब्लैक आउटफिट पहन भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक ने दिखाया बोल्ड अवतार

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा बढ़ाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट किलर फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करती है तो वो तेजी से वायरल होने लगती है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं।

इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बेहद ही स्टनिंग लुक में पोज देती हुई एक से बढक़र एक पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।

नेहा मलिक की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का बेहद ही स्टाइलिश जैकेट और ब्लैक पेंट पहना हुआ है।

बालों की पोनीटेल बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

बता दें कि नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है।

एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे ने लिखा है- यू लुक सो गॉर्जिस। तीसरे यूजर ने लिखा है- लुकिंग गुड।

वरुण धवन की बेबी जॉन में सलमान खान का कैमियो कंफर्म!

हाल ही में एक्स पर आस्क मी एनीथिंग सेशन में वरुण धवन ने अपनी अपकमिंग फिल्म बेबी जॉन में सलमान खान के कैमियो को कंफर्म कर दिया है। कलीस द्वारा निर्देशित यह फिल्म 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है इसी बीच चर्चा जोरों पर थी कि सलमान फिल्म में स्पेशल कैमियो में नजर आने वाले हैं। लेकिन इसका ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ था। अब हाल ही में वरुण ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा हिंट दे दिया है जिससे कंफर्म हो गया है कि सलमान बेबी जॉन में नजर आएंगे।

वरुण धवन की अगली फिल्म बेबी जॉन का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में हाल ही में एक्टर ने फिल्म के बारे में एक बड़ा हिंट दिया है। वरुण ने हाल ही में पुष्टि की है कि एक्शन-थ्रिलर में सलमान खान कैमियो करेंगे। इसका पता चलते ही फैंस की खुशी दोगुनी हो गई है, हाल ही में एक्स पर आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान उन्होंने कैमियो के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारी भी शेयर की। इस सेशन के दौरान एक फैन ने पूछा, भाई का कैमियो बेबी जॉन में कितने मिनट का है? इस पर वरुण ने जवाब दिया, मिनट नहीं बोलूंगा, इसका इफेक्ट काफी महीनों तक रहने वाला है।

इससे पहले, बेबी जॉन के मेकर्स ने फिल्म का पहला टीजर जारी किया था, जिसे टेस्टर कट कहा जा रहा है। फिल्म में वरुण एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं, और एक बेटी के सिंगल फादर भी हैं। बेबी जॉन के टीजर की शुरुआत एक बच्ची से होती है, जो कि वरुण धवन की है। बच्ची अपने पापा वरुण के बारे में बताती है और दूसरी तरफ वरुण को टीजर में एक्शन करते दिखाया गया है। वरुण धवन पूरे टीजर में एक्शन लुक में ही दिख रहे हैं और वहीं टीजर में फिल्म की हीरोइन कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी की झलक भी देखने को मिली है। दूसरी तरफ फिल्म में जैकी श्रॉफ बतौर विलेन नजर आने वाले हैं इसमें वे विलेन का रोल प्ले कर रहे हैं और उनका लुक भी फिल्म के बेबी जॉन के देखने की एक्साइटमेंट बढ़ा रहा है।

बेबी जॉन इस साल क्रिसमस पर रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। एटली के साथ मिलकर जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म ए फॉर एप्पल स्टूडियो और सिने1 स्टूडियो का प्रोडक्शन है। फिल्म का निर्देशन कलीश ने किया है।

कांग्रेस को वास्तविकता समझनी होगी

अजीत द्विवेदी

मीर तकी मीर का शेर है, पत्ता पत्ता बूटा बूटा हाल हमारा जाने है, जाने न जाने गुल ही न जाने बाग तो सारा जाने है'। कांग्रेस का भी यही हाल है। उसका हाल सारी दुनिया को पता है। सारे पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक जानते हैं कि उसकी क्या कमी है। विपक्ष की दूसरी पार्टियां, जो उसके गठबंधन में हैं या नहीं हैं उन सबको भी पता है कि कांग्रेस की क्या कमजोरी है और भाजपा के शीर्ष नेता खास कर नरेंद्र मोदी और अमित शाह को तो उसकी हर नस के बारे में पता है। सिर्फ कांग्रेस है, जिसको अपने हाल की कोई खबर नहीं है। कांग्रेस नेतृत्व को अपनी कमजोरियों का पता नहीं है। गांधी परिवार अब भी इस मुगालते में है कि उसे सिर्फ मुख्य विपक्षी पार्टी बने रहना है, बाकी सारी चीजें अपने आप हो जाएंगी। जैसे 1977 में हारे तो 1980 में सत्ता में आ गए या 1989 में हारे तो 1991 में आ गए या 1996 में हारे तो 2004 में आ गए वैसे ही 2014 में हारे हैं तो क्या हो गया अगर मुख्य विपक्षी बने रहते हैं तो फिर अपने आप सत्ता में आ जाएंगे।

कांग्रेस नेता इस बात से भी सबक नहीं ले रहे हैं कि लगातार दो चुनावों में लोकसभा में कांग्रेस को मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा भी नहीं मिला था और एक एक करके वह राज्यों में भी यह दर्जा गंवाती जा रही है। क्या किसी ने सोचा है कि कितने बड़े राज्य हैं, जिनमें देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस मुख्य विपक्षी पार्टी भी नहीं है? जिन राज्यों में वह हाल के दिनों तक सत्ता में थी वहां से भी ऐसे उखड़ी है कि अब विपक्ष में भी जगह नहीं है। दिल्ली में लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। आंध्र प्रदेश में दो चुनाव लगातार जीतने के बाद वह 10 साल से शून्य पर है। पश्चिम बंगाल में पिछली विधानसभा में उसके 40 विधायक थे और इस बार वह शून्य पर है। लगभग एक दर्जन राज्यों में उसका एक भी विधायक नहीं है। उसने गुजरात और महाराष्ट्र में मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा गंवा दिया है। 403 विधायकों वाली उत्तर प्रदेश में उसके सिर्फ दो विधायक हैं। ये आंकड़े कांग्रेस के भविष्य की बहुत बुरी तस्वीर पेश कर रहे हैं लेकिन ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस को इसकी या तो खबर नहीं है या परवाह नहीं है।

लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने के बाद हरियाणा, जम्मू कश्मीर और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव बुरी तरह से हारने के बाद कांग्रेस की बुनियादी समस्याओं को रेखांकित करने वाले सैकड़ों लेख लिखे गए हैं और हजारों नहीं, बल्कि लाखों सोशल मीडिया पोस्ट्स लिखी गई हैं। कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने कई तरह से समझाया है कि कांग्रेस की असली समस्या क्या है और उसे कैसे दूर किया जा सकता है। पता नहीं कांग्रेस में किसी ने इनकी नोटिस ली या नहीं लेकिन कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होने जा रही है। शुक्रवार, 29 नवंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक होगी, जिसमें हरियाणा और महाराष्ट्र के नतीजों की समीक्षा होगी। पता नहीं जम्मू कश्मीर के नतीजों की समीक्षा क्यों नहीं होगी, जहां कांग्रेस की सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस की सीटें 15 से बढ़ कर 40 हो गईं और कांग्रेस की संख्या 12 से घट कर सात रह गई? कांग्रेस को निश्चित रूप से इसकी भी समीक्षा करनी चाहिए। अगर वह नहीं करती है तो इसका मतलब है कि उसका इरादा ईमानदार समीक्षा करने का नहीं है, बल्कि औपचारिकता निभाने का है।

बहरहाल, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस की जो समस्याएं उभर कर सामने आई हैं उनमें पहले नंबर पर यह है कि कांग्रेस सहयोगी पार्टियों की चिंता नहीं करती है। वह जरा सी ताकत मिलते ही धौंस दिखाने लगती है और बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है। लगातार दो चुनाव हारने के बाद उसने लोकसभा में जरूर समझौता किया और कम सीटों पर लड़ी लेकिन प्रदर्शन सुधरते ही उसने सहयोगियों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। उसने हरियाणा में समाजवादी पार्टी की मांग ठुकराई तो आम आदमी पार्टी को अकेले लडने़ दिया। इसी तरह महाराष्ट्र में जब लोकसभा चुनाव में शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ी थी और नतीजे महा विकास अघाड़ी के पक्ष में आए थे तो विधानसभा चुनाव में भी क्यों नहीं शिव सेना को ही बड़ी पार्टी के तौर पर लडने़ दिया गया? अगर शिव सेना ज्यादा सीटों पर लड़ती तो उद्धव ठाकरे के सीएम का चेहरा होने का संदेश जाता है और तब शिव सैनिक एकजुट हो सकते थे। अगर कांग्रेस ने आखिरी समय तक ज्यादा सीट की खींचतान में मामला नहीं लटकाए रखा होता तो तस्वीर कुछ और होती।

कांग्रेस की दूसरी कमी यह उभर कर आई है कि वह गंभीरता से चुनाव नहीं लड़ती है। अभी के चुनावों में उसने सिर्फ वायनाड लोकसभा का उपचुनाव गंभीरता से लड़ा और उसका नतीजा यह हुआ कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने राहुल गांधी से ज्यादा वोट से चुनाव जीता। वहां वैसे भी कांग्रेस जीत रही थी लेकिन पूरी पार्टी ने जी जान लगा दी। प्रियंका वहां डटी रहीं तो राहुल ने चार दिन सभाएं कीं। सोचें, एक लोकसभा सीट पर राहुल का चार दिन जाना और दूसरी ओर झारखंड में सिर्फ छह सभाएं करना! झारखंड में कांग्रेस जीत गई, लेकिन वह कांग्रेस की जीत नहीं है, बल्कि जेएमएम की लहर की जीत है। हेमंत सोरेन के पक्ष में सहानुभूति की लहर थी और साथ ही भाजपा के ध्रुवीकरण के एजेंडे के खिलाफ एक दूसरा ध्रुवीकरण था, जिसका फायदा कांग्रेस और राजद दोनों को मिला। लेकिन बाकी जगह ऐसा नहीं था तो महाराष्ट्र और हर राज्य के उपचुनाव में कांग्रेस की बुरी दशा हुई। वह न तो महाराष्ट्र में गंभीरता से लड़ी और न झारखंड में और न उपचुनावों में कोई गंभीरता दिखाई दी।

कांग्रेस की तीसरी कमी यह उभर कर आई है कि उसका संगठन बहुत ही कमजोर है और संगठन से जुड़े फैसले तो भयावह ही है, जैसे झारखंड में कांग्रेस ने चुनाव से तीन महीने पहले प्रदेश अध्यक्ष बदला था। यह तो एक मिसाल है लेकिन ओवरऑल कांग्रेस का संगठन बहुत लचर है।

नीचे से ऊपर तक संगठन में इक्का दुक्का लोगों को छोड़ दें तो अयोग्य, निकम्मे या भितरघात करने वाले नेता भरे हैं। कांग्रेस की राजनीतिक पूंजी का लगातार क्षरण होता जा रहा है लेकिन पार्टी के पदाधिकारियों का अहंकार कम नहीं होता है। यह हकीकत है कि जिन्हें जिम्मेदारी मिलती है वे कुछ नहीं करते हैं और जिन्हें जिम्मेदारी नहीं मिलती है वे अपनी ही पार्टी की हार पर खुशी मनाते हैं। कांग्रेस के पास प्रतिबद्ध नेताओं की कमी है। वे पार्टी हित में काम नहीं करते हैं, बल्कि अपना स्वार्थ सबसे ऊपर होता है। प्रभारी या छटंनी समिति के प्रमुख का फोकस इस बात पर नहीं होता है कि जीतने वाला उम्मीदवार चुनें, बल्कि उसे ऐसे उम्मीदवार चुनने होते हैं, जो टिकट के लिए पैसे दे सके। कांग्रेस की सहयोगी पार्टियां भी इससे परेशान रहती हैं।

कांग्रेस की चौथी कमजोरी शीर्ष नेतृत्व की निष्क्रियता है। राहुल गांधी दिन रात राजनीति में नहीं खपे रहते हैं और न कठोर फैसले करते हैं। वे चुनाव के समय सक्रिय होते हैं, जबकि राजनीति 24 घंटे का काम है। कांग्रेस नेताओं के बारे में यह आम धारणा है कि अगर राहुल गांधी सोते जागते राजनीति नहीं करेंगे और सब पर नजर नहीं रखेंगे तो कांग्रेसी सब कुछ बेच खाएंगे। ऐसी स्थिति राहुल गांधी की अनिश्चित व तदर्थ राजनीति की वजह से है। चुनाव नहीं चल रहे हों तो वे संगठन का काम करने की बजाय उसको फुरसत का समय मानते हैं। उनके साथ दूसरी मुश्किल यह है कि उनको चाहने वालों और कांग्रेस के इकोसिस्टम के लोगों ने यह धारणा बनाई है कि कांग्रेस की दुर्दशा के लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं, बल्कि उनके सलाहकार और दूसरे नेता जिम्मेदार है। हकीकत यह है कि कांग्रेस की दुर्दशा की सारी जिम्मेदारी राहुल की है। जब तक वे खुद राजनीति नहीं करेंगे, सब पर नजर नहीं रखेंगे, सारे फैसले खुद नहीं करेंगे या प्रतिबद्ध नेताओं की पहचान कर उनको फैसले की जिम्मेदारी नहीं देंगे, सीधे जमीनी स्तर पर संपर्क नहीं बढ़ाएंगे, तब तक कुछ नहीं हो पाएगा। हो सकता है कि कांग्रेस के सारे नेता मिल कर कार्य समिति की बैठक में यह चर्चा करें कि ईवीएम की वजह से हारे हैं और इसलिए ईवीएम के खिलाफ आंदोलन चलाया जाना चाहिए। परंतु कांग्रेस को यह वास्तविकता समझनी होगी कि उसकी दुर्दशा के अगर एक सौ कारण हैं तो ईवीएम उसमें आखिरी यानी एक सौवां कारण होगा। उसे पहले 99 कारणों को पहचान कर उन्हें ठीक करना होगा और उसके बाद भी अगर स्थिति नहीं सुधरती है तब ईवीएम पर आरोप लगाना चाहिए।(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 73

	9		1	6		2		7
3								
		6					9	
7			5		1		3	
	8			9		6		2
		4					7	
	3				2	9		6
6		7	3					4
	4			1		7	8	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.72का हल

2	6	3	9	8	7	1	5	4
8	5	1	3	2	4	6	7	9
9	4	7	1	5	6	8	2	3
3	9	8	6	7	1	5	4	2
6	1	2	5	4	3	9	8	7
5	7	4	8	9	2	3	1	6
1	2	6	7	3	5	4	9	8
4	8	5	2	6	9	7	3	1
7	3	9	4	1	8	2	6	5

भारत-चीन का संबंध विश्व राजनीति के लिए खास महत्व

ब्राजील के रियो द जनेरो में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत का निष्कर्ष है कि दोनों देशों ने 2020 में लद्दाख सेक्टर में हुई घटनाओं को भूल कर अब आगे बढने़ का फैसला किया है। खास कर भारत के नजरिए से यह महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि तब, जैसाकि मीडिया रिपोर्टों, स्थानीय नेताओं और यहां तक कि लद्दाख पुलिस की रिपोर्ट में बताया गया था, चीनी सेना एक बड़े दायरे में उन इलाकों तक घुस आई, जहां पहले भारत का नियंत्रण था।

इसी क्रम में गलवान की वारदात भी हुई थी। वैसे, भारत सरकार ने कभी नहीं माना कि चीनी सेना ने कोई घुसपैठ की है।

मोदी सरकार का घोषित रुख यही रहा है कि भारत ने उसके कार्यकाल में एक इंच भी जमीन नहीं गंवाई है। भारत सरकार की निगाह में मुद्दा सिर्फ यह था कि चीन ने अपनी फौजों को बिल्कुल सरहद पर ला खड़ा किया है, जो भारतीय बलों को उस इलाके में गश्त लगाने से रोक रहे हैं।

अब चूंकि घोषित तौर पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच आमने-सामने तैनाती की सूरत खत्म हो गई है, इसलिए उसकी राय में बुनियादी मसला हल हो गया है। ऐसे में स्वाभाविक है कि दोनों देश 2020 में संबंधों में आई अड़चनों से आगे निकलने पर सोचें। इसी नजरिए की झलक रियो में हुई वार्ता में मिली।

दोनों विदेश मंत्रियों ने कैलाश मानसरोवर तक भारतीय नागरिकों की तीर्थयात्रा फिर शुरू करने, दोनों देशों के बीच विमानों की सीधी उड़ान चालू करने, और एक से दूसरे के यहां बहने वाली नदियों से संबंधित आंकड़ों को साझा करने पर बातचीत की।

साथ ही सीमा विवाद हल करने के लिए विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की तारीख तय करने पर विचार हुआ। दोनों विदेश मंत्री रजामंद हुए कि %भारत-चीन संबंध का विश्व राजनीति के लिए खास महत्त्व' है।

ये सहमतियां अक्टूबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दरम्यान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में बनी सहमति के अनुरूप ही हैं। तो स्पष्ट है, अब बात संबंधों को सामान्य करने के उपायों पर आ गई है। (आरएनएस)

350 करोड़ रुपये का 20 प्रतिशत वसूलने में कामयाब रही कंगुवा

सूर्या की नई एपिक फैंटेसी एक्शन ड्रामा कंगुवा को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 18 दिन हो चुके हैं. इन 18 दिनों में फिल्म ने ओपनिंग डे के बाद से अच्छी कमाई नहीं कर पाई है. दर्शकों की औसत समीक्षाओं के साथ-साथ, सूर्या स्टारर कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर कम कमाई कर रही है. फिल्म के परफॉर्मेंस से ऐसा लग रहा है कि यह जल्द ही सिनेमाघरों से उतर जाएगी.

शिवा की निर्देशित फिल्म कंगुवा 350 करोड़ रुपये के भारी बजट में बनाई गई है. मेकर्स को फिल्म से काफी उम्मीद थी. लेकिन फिल्म की कमजोर स्क्रिप्ट और एक्टिंग में कमी होने के कारण यह दर्शकों तक अपनी पहुंच नहीं बना पाई.

सैकनिल्क वेबसाइट के अनुसार, कंगुवा ने ओपनिंग डे पर 24 करोड़ रुपये की कमाई की. हालांकि पहले वीकेंड में फिल्म 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल रही. एक हफ्ते में कंगुवा ने 64.3 करोड़ रुपये कमाए. जबकि दूसरे वीकेंड में इसने 3.2 करोड़ रुपये कमाए हैं. वहीं बात करें 18वें दिन की तो कंगुवा ने रिलीज के तीसरे वीकेंड पर भारतीय बॉक्स ऑफिस से केवल 9 लाख रुपये की कमाई की है. दिनों के बाद सूर्या की फिल्म ने भारत में कुल 70.27 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर ली है.

मसूरी विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा का आरोप

हमारे संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी ने आज मसूरी विधानसभा क्षेत्र की उपेक्षा को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय विधायक के मंत्री होने के बावजूद यह क्षेत्र विकास के मामले में पिछड़ा हुआ है। यहां गंदगी का साम्राज्य बना हुआ है और सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है, जिससे जनता को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

नवीन जोशी ने आज जनसंवाद से जनसमर्थन कार्यक्रम को गति देते हुए विजय कॉलोनी में आयोजित एक बैठक के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनने और उन्हें हल करने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान जनप्रतिनिधि क्षेत्र के विकास और जनता के हितों के प्रति उदासीन हैं।

जोशी ने जोर देकर कहा कि देहरादून का चहुंमुखी विकास तभी संभव है जब कांग्रेस का मेयर चुना जाएगा। उन्होंने कहा, "अगर कांग्रेस का मेयर बना, तो देहरादून का चहुंमुखी विकास सुनिश्चित होगा।" कार्यक्रम में कांग्रेस के विकास एजेंडे पर चर्चा करते हुए उन्होंने स्थानीय निवासियों से कांग्रेस को समर्थन देने की अपील की। इस अवसर पर राजकुमार जायसवाल, विकास चौहान, अनिल नेगी, वंदना शाही, स्वाति नेगी, ममता आदि उपस्थित थे।

मोटरसाईकिल सवारों ने लूटा मोबाइल

संवाददाता

देहरादून। मोटरसाईकिल सवार बदमाशों ने राहगीर से मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्राहमणवाला महबूब कालोनी निवासी गौरा मौहम्मद ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर की तरफ जा रहा था तभी मोटरसाईकिल सवार दो युवक उसके पास पहुंचे और उसके हाथ पर झपटा मारकर मोबाइल छीनकर भाग गये।

वही दूसरी ओर भण्डारी बाग निवासी मुकेश गोयल ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने फोन पर बात कर रहा था काली मन्दिर भण्डारी बाग के पास तब ही एक लडका नीले की जुपीटर पर आया और उसके फोन झपटा मार कर ले गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बच्चों में बचत करने की आदत डालें:डंडरियाल

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल ने कहा कि बाल दिवस के अवसर पर बच्चों में बचत करने की आदत डालें।

आज नेताजी संघर्ष समिति के प्रभात डंडरियाल व उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार और दिशा संस्था के सचिव सुशील विरमानी ने एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए विश्व बाल बचत दिवस के अवसर पर अभिभावको का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को बचत करने की आदत डालें। स्मरण रहे ठीक 11 दिसंबर को यह बाल बचत दिवस पूरे भारत में मनाया जाता है। सुरेश कुमार और प्रभात डंडरियाल जी ने कहा कि अगर बच्चों को बचपन से ही बचत करने की आदत डालें तो निकट भविष्य में उनके काम आएगी। प्राय देखा गया है कि लोग अपने बच्चों को बचत करने के बजाए उन्हें अधिक धन देते हैं जिस कारण वह गलत संगत में पड़ जाते हैं जो कि एक सोचनीय व विचारणीय विषय है इस मौके पर प्रदेश के अध्यक्ष नवनीत गुसाईं जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार व प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, अनुराग भट्ट, धर्मानंद भट्ट, सुशील बिरमानी व अमित पवार आदि थे।

पीआरएसआई देहरादून चैप्टर ने पुलिस..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

उत्तराखंड अभियान, सड़क सुरक्षा और साइबर अपराधों के प्रति जनजागरूकता में पीआरएसआई सक्रिय भूमिका निभाएगा। संगठन अपने जनसंपर्क विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए जागरूकता अभियानों को प्रभावी बनाने के लिए पुलिस विभाग का हर संभव सहयोग करेगा। इस दौरान पीआरएसआई के अन्य सदस्यों ने भी अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में पीआरएसआई के सचिव अनिल सती, सदस्य प्रियांक, मनोज सती, आयुष, संजय बिष्ट, प्रताप बिष्ट मौजूद थे।

करोड़ो की ठगी करने वाला 25 हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रिलायंस सैटअप बॉक्स का डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर करोड़ों की ठगी करने वाले गैंग के मास्टर माइंड को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ग्रेजुएट है जिसने खुद को रिलाइंस का टेक्निकल हेड बताकर 3 करोड़ से अधिक की ठगी को अंजाम दिया था।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2021 में थाना बहादराबाद क्षेत्रांतर्गत प्रतिष्ठित व्यापारी अमित सैनी संचालक छोटू महाराज द्वारा थाना बहादराबाद में तहरीर देकर बताया गया था कि अश्वनी चौबे निवासी पटना बिहार, कुमार प्रसून निवासी ठाणे महाराष्ट्र, तरनजीत सिंह निवासी पथरी हरिद्वार व प्रशांत संगल निवासी देहरादून ने उनको रिलायंस सैटअप बॉक्स का डिस्ट्रीब्यूटर बनाने के नाम पर उनके साथ 3 करोड़ 20 लाख की धोखाधड़ी की गयी है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साक्ष्य संकलन करते हुए बहादराबाद पुलिस द्वारा आरोपी तरनजीत व प्रशांत संगल के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय भेजा जा चुका है। वहीं आरोपी कुमार प्रसून जो पूरी घटना का मास्टरमाइंड था 2021 से लगातार फरार चल रहा था जिसके खिलाफ न्यायालय द्वारा वर्ष 2022 में गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया गया था। आरोपी शातिर किस्म का व्यक्ति है जो अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था जिसकी गिरफ्तारी हेतु एसएसपी हरिद्वार द्वारा 25 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था।

ईनामी आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु एसएसपी हरिद्वार निर्देशित क्रम में बहादराबाद पुलिस द्वारा गहन सुरागरसी पतारसी कर सर्विलांस की मदद से आरोपी कुमार प्रसून को एम्स दिल्ली के पास से दबोच लिया गया है। आरोपी ने खुद को रिलायंस कंपनी का टेक्निकल हैड बताकर साथी अश्वनी चौबे आदि के साथ मिलकर पीड़ित अमित सैनी को उत्तराखंड का रिलायंस कंपनी के सेटअप बॉक्स का डिस्ट्रीब्यूटर बनाने का झांसा देकर धोखाधड़ी से उनसे 3 करोड़ 20 लाख की धनराशि हड़प ली और रिलायंस सेटअप बॉक्स का हेडक्वार्टर बनाने के लिए बिल्डिंग का निर्माण भी कराया था। और धनराशि मिलने पर आरोपी फरार हो गए थे।

पुलिसकर्मियों पर हमला करने वाला 50 हजार का ईनामी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। गश्त के दौरान पुलिस कर्मियो पर हमला करने वाले एक शातिर किस्म के 50 हजार के ईनामी बदमाश को एसटीएफ टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। हालाकि मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि कल देर रात एसटीएफ की टीम द्वारा जनपद बिजनौर उत्तर प्रदेश में दबिश देकर एक कुख्यात ईनामी अपराधी अंशुल पुत्र खेम सिंह निवासी भागुवाला, बिजनौर उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर थाना रानीपुर में दाखिल किया गया है। बताया कि दिनांक 15.10.24 को थाना रानीपुर क्षेत्र में दो पुलिस के जवान रात्री में गश्त कर रहे थे जिनके द्वारा एक स्कूटी चालक व ई-रिक्शा चालक को साथ-साथ घूमते हुए संदिग्ध अवस्था में देखा तो उन्हें रोककर पूछताछ की गयी व उनकी फोटो अपने फोन से ली गयी थी जिस पर उन दोनों अपराधियों द्वारा अपनी पहचान जाहिर होने के डर से दोनों पुलिसकर्मियों के सिर पर लोहे की रॉड मारकर बुरी तरह घायल कर दिया और पुलिसकर्मियों से मोबाईल फोन छीन कर फरार हो गये थे । इस घटना के सम्बन्ध में थाना रानीपुर में दो अज्ञात बदमाशों के खिलाफ जान से मारने के प्रयास व लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था। फरार बदमाशों की शिनाख्त व गिरफ्तारी हेतु काफी प्रयास किए गए परन्तु सफलता नहीं मिलने पर पुलिस उपमहानिरीक्षक गढवाल रेंज द्वारा फरार बदमाशों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु 50 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया गया था जिस पर एसटीएफ की टीम द्वारा इस घटना में संलिप्त अपराधियों की पहचान एवं गिरफ्तारी हेतु कार्यवाही की गयी और एक अपराधी की पहचान कर अंशुल पुत्र खेम सिंह निवासी भागुवाला, बिजनौर उत्तर प्रदेश को कल देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसने पूछताछ में बताया कि 15 अक्टूबर की रात वह अपने साथी के साथ थाना रानीपुर हरिद्वार क्षेत्र में एक ई-रिक्शा को चोरी करके ला रहे थे कि पुलिस के दो जवानों ने गश्त के दौरान हमको पकड़ लिया और उनके द्वारा हमसे पूछताछ के साथ-साथ हमारी फोटो अपने फोन से खींच ली जिस पर पकड़े जाने के डर से हमने पुलिसकर्मियों पर हमला कर उनका मोबाईल छीन लिया और फरार हो गये थे।

दो नाबालिग भाइयों को ऑपरेशन स्माइल टीम ने किया मामा के सुपुर्द

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने घर से भागे दो नाबालिग भाईयों को ऑपरेशन स्माइल टीम ने मामा के हवाले किया।

आज यहां पुलिस मुख्यालय उत्तराखण्ड, देहरादून के द्वारा जारी दिशा-निर्देशो के क्रम में गुमशुदा बच्चों, महिलाओं, व पुरुषों की तलाश एवं पुनर्वास हेतु प्रदेश भर में 15 अक्टूबर 2024 से 15 दिसम्बर 2024 तक 02 माह का ऑपरेशन स्माइल अभियान चलाया गया है। इसी क्रम में आयुष अग्रवाल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद टिहरी गढ़वाल के निर्देशन में व अपर पुलिस अधीक्षक जेआर जोशी के मार्गदर्शन में पुलिस उपाधीक्षक नोडल अधिकारी ऑपरेशन स्माइल श्रीमति ओशिन जोशी के पर्यवेक्षण में टिहरी गढ़वाल ऑपरेशन स्माइल टीम द्वारा 10 दिसम्बर 2024 को ऑपरेशन स्माइल टीम अभियान के तहत टीम प्रभारी के दिशा निर्देशन में जानकी पुल, अस्था पथ, नाव घाट, व होटल/धर्मशालयो में गुमशुदाओ की खोजबीन/तस्दीक की जा रही है। टीम होटल, ढाबे आदि मे ढाल वाला मे चेकिंग कर रही थी तो ढाल वाला मे 2 बालक एक दुकान में काम करते दिखे जो पुलिस वालों को देखकर नजर चुराने लगे।

जब दोनों से पूछताछ की गयी तो उन्होंने बताया की वह लोग यूपी के रहने वाले है और घर की पारिवारिक हालात ठीक ना होने के कारण काम करने ऋषिकेश आये है बच्चों से परिजनों का नंबर लेकर उनके पिता से बात की गयी। उन्होंने बताया की कौशल उसका बेटा है वा दूसरा उसके सगे भाई का बेटा राहुल है ये दोनों एक हफ्ते से घर से भाग गए है उन्होंने रिस्तेदारों और आस पास इनको खोजा परंतु ये कही नही मिले। बच्चों के पिता ने बताया की उनके मामा देहरादून मे रहते है और वही रिक्शा चलाने का काम करते है बच्चों के पिता से उनके मामा का नंबर लेकर उनसे बात की गयी और दोनों बच्चों को मामा के सुपुर्द किया गया। बच्चों के नाम कौशल कुमार उम्र 15 वर्ष पुत्र राम शरण निवासी ग्राम जलालाबाद थाना रूपापुर जिला हरदोई उतर प्रदेश राहुल उम्र 16 वर्ष पुत्र उमेश बताया।

मंदिर का ताला तोड दानपात्र चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने मंदिर का ताला तोड वहां से दानपात्र चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजपुर निवासी आशीष भटट ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि समय 3 बजे के आस पास एक व्यक्ति द्वारा बावडी मंदीर राजपुर के दानपात्र व बगल में स्वामी के कमरे ताला तोडकर उसमे रखी धनराशी चोरी कर ली है।

एक नजर

भारत में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की संख्या 28 लाख के पार

नई दिल्ली । देश में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की संख्या अब 28,55,015 हो गई है, जबकि इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहनों की संख्या 4 दिसंबर तक 2,57,169 हो गई है। यह जानकारी हाल ही में संसद में दी गई। भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने एक लिखित जवाब में लोकसभा को बताया कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, ओडिशा में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की कुल संख्या 1,45,479 है, जिसमें अडोप्शन रेट 1.24 प्रतिशत है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, षफिलहाल, ओडिशा राज्य में ऑटो आरएंडडी क्लस्टर स्थापित करने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय में कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ईवी के ग्राहकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से प्रोत्साहित किया जाता है, जैसे भारत में फेम (फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स) योजना यह योजना 1 अप्रैल, 2019 से पांच साल की अवधि के लिए है, जिसमें कुल 11,500 करोड़ रुपये का बजटीय समर्थन है। इस योजना ने ई-2व्हीलर, ई-3 व्हीलर, ई-4व्हीलर, ई-बसों और ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को प्रोत्साहित किया। भारत में ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग (पीएलआई-ऑटो) के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का बजटीय परिव्यय 25,938 करोड़ रुपये है।

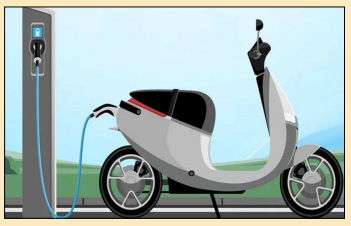

'सदन चलना चाहिए, संविधान पर चर्चा होनी चाहिए'

नई दिल्ली । कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की और उनसे उनके खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों को हटाने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने सदन में शिष्टाचार बनाए रखने और चर्चा को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अपने खिलाफ आरोपों के बावजूद 13 दिसंबर को बहस की इच्छा व्यक्त करते हुए कहा, चाहे वे मेरे बारे में कुछ भी कहें, हम 13 दिसंबर को बहस करना चाहते हैं। इस महीने की शुरुआत में, भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और संबित पात्रा ने गांधी पर हंगरी-अमेरिकी व्यवसायी जॉर्ज सोरोस के साथ संबंध होने का आरोप लगाया था। दुबे ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी का सोरोस और अमेरिकी सरकार द्वारा वित्तपोषित संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना के साथ संबंध है। इस आरोप के कारण कांग्रेस सांसदों ने सदन के वेल में विरोध प्रदर्शन किया। गांधी के खिलाफ आरोपों ने संसद में काफी नाटकीय घटनाक्रम को जन्म दिया। कांग्रेस सदस्यों ने दुबे और पात्रा के खिलाफ विशेषाधिकार हनन के नोटिस पर अपडेट की मांग की।

पाकिस्तान से आए ईसाई शख्स को मिली भारत की नागरिकता

नई दिल्ली । गोवा के उत्तरी क्षेत्र अंजुना के डेमेलो वड्डो से संबंध रखने वाले शेन सेबस्टियन परेरा ने गोवा में भारतीय नागरिकता हासिल की है। पाकिस्तान के कराची में 4 अगस्त 1981 को जन्मे परेरा का परिवार कुछ महीनों बाद ही गोवा लौट आया था। उन्हें भारत आए 43 साल हो गए थे, जब उन्हें नागरिकता मिल पाई है। उन्होंने यहीं पर अपनी शिक्षा पूरी की। 2012 में परेरा ने भारतीय नागरिक मारिया ग्लोरिया फर्नांडिस से शादी की थी। सेबस्टियन परेरा ने कहा, मैं खुश हूं कि अब मैं भारतीय हूं। मंगलवार को सचिवालय में आयोजित समारोह में गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने परेरा को नागरिकता प्रमाण पत्र प्रदान की। यह प्रमाण पत्र नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6बी और 5(1)(सी) के अंतर्गत परेरा को भारतीय नागरिक के रूप में पंजीकृत होने की पुष्टि करता है। परेरा के लिए भारतीय नागरिकता प्राप्त करना एक लंबी प्रक्रिया रही है। वे भारत में रहते हुए विदेशी आगमन पंजीयन कार्यालय में हर साल अपना वीजा रिन्यू करवाते थे। 2019 में सीएए की जानकारी मिलने पर उन्होंने इसके माध्यम से आवेदन किया। मीडिया में रिपोर्ट्स से उन्हें यह जानकारी मिली कि एक अन्य पाकिस्तानी नागरिक, जोसेफ परेरा, को भी भारतीय नागरिकता मिली है। इसके बाद उनका आवेदन तीन महीने में मंजूर हो गया, जिससे उन्होंने गोवा सरकार का आभार जताया। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा, ष्मैं शेन को बधाई देता हूं, वे इस कानून के अंतर्गत नागरिकता प्राप्त करने वाले दूसरे गोवावासी हैं।

जिलाधिकारी की विभिन्न कार्यालयों पर छापेमारी से मचा हड़कंप

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह द्वारा आज जनपद के विभिन्न कार्यालयों में अचानक की गई छापेमारी से सरकारी कार्यालयों में हड़कंप मच गया। इस दौरान अनुपस्थित 31 कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनके वेतन रोकने के आदेश दिये गये है।

जिलाधिकारी ने सबसे पहले सुबह 10.10 बजे सिंचाई विभाग कार्यालय में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान सिंचाई अभियंता सहित 13 कार्मिक अनुपस्थित पाए गये। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा पूर्वाह्न 10.20 बजे जल संस्थान कार्यालय में की गई छापेमारी के दौरान 3 सहायक अभियंता तथा 6 अपर सहायक अभियंता सहित 10 कार्मिक तथा आउट सोर्स से तैनात 4 कार्मिक अनुपस्थित पाए गये तथा जिलाधिकारी द्वारा फील्ड कर्मचारियों से सम्बंधित भ्रमण पंजिका मांगे जाने पर कोई भी भ्रमण पंजिका नहीं दिखा पाए। जिलाधिकारी ने कार्यालय के बाहर पुरानी फाइलों का रख-रखाव सही ढ़ंग से न होने तथा फाईलों पर धूल जमा होने व शौचालयों तथा कार्यालय की सफाई व्यवस्था सही न पाये जाने पर कड़ी फटकार लगाते हुए फाइलों को सही से सुरक्षित रखने तथा कार्यालय में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी द्वारा 10.30 बजे ऋषिकुल विद्यापीठ ब्रहमचर्या श्रम संस्कृत विद्यालय निरीक्षण के दौरान एक सहायक अध्यापक अनुपस्थित मिले तथा ऋषिकुल विद्यापीठ ब्रहमचर्या श्रम संस्कृत महाविद्यालय में 4 सहायक अध्यापक अनुपस्थित पाए गये। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में गन्दगी मिलने एवं सफाई व्यवस्था ठीक न होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाते हुए व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के निर्देश दिये। उन्होंने कार्यालय परिसर में नियमित रूप से साफ सफाई रखने एवं सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त रखने के निर्देश देते हुए कहा कि किसी दिन पुनः निरीक्षण किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने जनपद में तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आदेश दिये कि कोई भी अधिकारी एवं कर्मचारी अवकाश स्वीकृत कराये बिना कार्यालय से अनुपस्थित नहीं रहेगा। जनता के कार्यालय पहुॅचने से पहले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्धारित समय पर कार्यालय पहुॅचना होगा। जिलाधिकारी ने बताया कि समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कार्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित किये जाने हेतु भविष्य में भी समय-समय पर औचक निरीक्षण किये जा रहे हैं।

❑अनुपस्थित 31 कार्मिकों को कारण बताओं नोटिस, वेतन रोकने के आदेश

गौशाला में आग लगने से हड़कंप, 7 मवेशियों की जलकर हुई मौत

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। गौशाला में अचानक आग लगने से देर रात गांव में हड़कंप मच गया। आग ने इतना विकराल रूप लिया कि उसमें जलकर 7 मवेशियों की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर राजस्व पुलिस व पशु चिकित्सक मौके पर पहुंचे और उन्होने क्षतिपूर्ति का आंकलन शुरू कर दिया है।

मामला जनपद उत्तरकाशी के भटवाड़ी तहसील के अंर्तगत गौरशाली गांव का है। जानकारी के अनुसार बीती रात लगभग 10 बजे गौशाला में अचानक आग लग गयी जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। बताया जा रहा है कि यह गौशाला स्थानीय गिलवर सिंह और नोबर सिंह की है। जिसमें 4 बड़ी गाय व 3 बछड़े यानि 7 मवेशी थे जिनकी जलकर मृत्यु हो गई घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल के लिए पशुचिकित्सा टीम एवं राजस्व उप निरीक्षक कयार्क/सैंज रवाना हुए और घटनास्थल पर पहुंचकर क्षतिपूर्ति का आंकलन शुरू कर दिया है।

अब शहर की सड़कों में वाहनों की तेज रफ्तार पर लग रही हैं ब्रेकः डीएम

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने कहा कि सुरक्षित सडक, सुगम सुविधा मुहैया कराने के कार्य में जिला प्रशासन जुट गया अब शहर की सडकों में वाहनों की तेज रफ्तार पर ब्रेक लग रही है।

आज यहां जनपद में सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देशों के अनुपालन में सड़क सुध रीकरण, स्पीड ब्रेकर एवं जेबरा क्रॉसिंग, डिवाइडर का कार्य तेजी से गतिमान है। जिलाधिकारी स्वयं सड़क सुरक्षा कार्यों की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। राजपुर रोड पर ओवर राइडिंग व सड़क क्रॉसिंग को ध्यान में रखते हुए तेजी से चल रहा है डिवाइडर के निर्माण कार्य। डिवाइडर बनने से चालकों की मर्जी पर लगेगा ब्रेक, अब सड़क सुरक्षा के अनुरूप होगी सुगम सुरक्षित सफर। साईं मंदिर रोड एवं मसूरी मैक्स अस्पताल, मसूरी रोड पर लग गया स्पीड ब्रेकर। सड़क सुरक्षा निर्माण कार्य से दुपहिया हुडर्दगियों व वाहनों की तेज चाल पर लगा ब्रेक, और लोगों को ध्वनि प्रदुषण से मिलाने लगी राहत। उप जिलाधिकारी/नोडल अधिकारी कुमकुम जोशी एवं अधिशासी अभियंता जीतेन्द्र त्रिपाठी स्वयं मौके उपस्थित होकर मानक के अनुरूप सड़क सुरक्षा कार्य को युद्ध स्तर पर करवा रहे हैं। शहर के विभिन्न स्थानों चौकों पर स्पीड ब्रेकर जेब्रा क्रॉसिंग एवं स्टॉप लाइन का कार्य किया गया। जबकि राजपुर रोड में पुरानी जिर्णशीर्ण डिवाइड को हटाकर नई डिवाइड लगाने का कार्य योजना स्तर पर जारी है। डीएम के निर्देशों के अनुपालन में सड़क सुरक्षा के कार्यों को युद्ध स्तर पर मानक के अनुरूप पूर्ण किया जा रहा हैं।

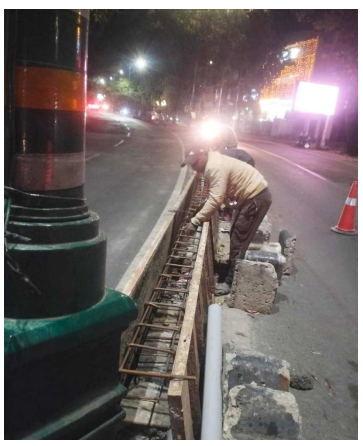

●सुरक्षित सड़क, सुगम सुविधा मुहैया कराने के कार्य में जुटा हैं जिला प्रशासन

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।